PARJANYA B.Ed. COLLEGE

PAHARPUR, BALIAPUR, DHANBAD (JHARKHAND)

E-MAGAZINE

Session : 2023-25

Name : SAROJ KHAMROI

Roll No. : 30

Session : 2023-25

* मेरा प्रिय दोस्त *

मेरा प्रिय दोस्त का नाम रंजीत महतो है। वह सभी मायनों में खास है, दोस्तों का मतलब सिर्फ घुमना–फिरना नहीं हैं, सच्चा दोस्त वह होता है, जो आपके सभी तरह के सुख–दुख में काम आए, वहीं आपका सच्चा दोस्त होता है, और इन सभी मामलों में रंजीत बहुत आगे हैं।

हमलोगों की दोस्ती की शुरूआत बचपन से है, वह बहुत मेहनती है, वह पढ़ने में बहुत तेज एंव व्यवहार से काफी शालीन एंव सभ्य है। वह काफी मेहनती और मिलनसार स्वभाव का है, वह सभी प्रकार के कार्य में बहुत मदद करता है, मेरा मानना है कि उसकी और मेरी दोस्ती बहुत खास है।

विद्या ददाति विनयम

Name : **ESHA KUMARI**

Roll No. : **37**

Session : **2023-25**

* कोशिश कर *

कोशिश कर, हल निकलेगा,

आज नहीं तो, कल निकलेगा।

अर्जुन सा लक्ष्य रख, निशाना लगा,

मरूस्थल से भी फिर, जल निकलेगा।

मेहनत कर, पौधों को पानी दे,

बंजर में भी फिर, फल निकलेगा।

ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,

फौलाद का भी, बल निकलेगा।

सीने में उम्मीदों को जिंदा रख,

समन्दर से भी, गंगाजल निकलेगा।

कोशिश कर, हल निकलेगा,

आज नहीं तो, कल निकलेगा।

Name : MINAKSHI KUMARI

Roll No. : 13

Session : 2023-25

* मेरा बचपन *

मेरे बचपन के दिन बहुत ही अच्छे और सुहावने थे। बचपन में जब मुझे कोई डाँटता था तो मैं अपनी माँ के पास जाकर छुप जाती थी। लेकिन आज जब कोई मुझे डाँटता है तो मुझे मेरी माँ की बहुत याद आती है। बचपन में माँ की लोरियाँ सुनकर नींद आ जाती थी, लेकिन अब वह सुकून भरी नींद नसीब नहीं होती। बचपन के वे सुनहरे दिन जब हम खेलते रहते थे तो पता ही नहीं चलता था कि कब दिन होता और कब रात हो जाती थी। बचपन में किसी के भी बगीचे से फल तोड़ लेते थे जिससे वे लोग हमारे घर शिकायत लेकर आते और हमें डाँट पड़ती, वह दिन किसको याद नहीं आते।

शायद इसलिए बचपन जीवन का सबसे अनमोल पल होता है। जहाँ हम बेफिक्र होकर अपने जीवन का एक–एक पल जीते है। जहाँ हमे इस बात की बिलकुल भी चिन्ता नहीं होती की लोग क्या कहेंगें।

बचपन जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है। बचपन में इतनी चंचलहा और मिठास भरी होती है कि हर कोई अपना बचपन फिर से जीना चाहता हैं।

बचपन का वो धीरे–धीरे चलना गिरना और फिर से दौड़ लगाना बहुत याद आता है। वो बचपन के मिट्टी के खिलौने किसकी यादों में नहीं बसा है। बातें बहुत सी है शब्द कम पड़ जाएगी बचपन तो बचपन ही होता है।

Name : **SUSHMITA PRAKASH**

Roll No. : **20**

Session : **2023-25**

* कामकाजी नारी और उसकी समस्याएँ अथवा नारी और नौकरी*

प्राचीन भारत के इतिहास पर दृष्टिपात करने से हमें ज्ञात होता है कि यहाँ महिलाओं को आदरपूर्ण स्थान दिया जाता है। हमारे पूर्वजों का कथन था–

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः''

अर्थात् जहाँ स्त्रीयों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय परिवारों में नारियों की महत्त्वपूर्ण स्थिति थी।

जिस घर में होता नहीं,
नारी का सम्मान।
देवी पूजन व्यर्थ है, व्यर्थ
है वहाँ सब दान।।

यह संसार परिवर्तनशील है। यहाँ प्रत्येक क्षण स्थिति बदलती रहती है। नारी–वर्ग की स्थिति में भी बदलाव आया है। स्वतंत्रता–प्राप्ति से पूर्व तक नारी जाति को शोषण का शिकार बनाया जाता रहा है। कुछ समाज सुधारकों ने इनकी इस दशा के विरूद्ध आवाज उठाई।

पायल ही बेड़ी बनी, कैसी है तकदीर।
नारी का किरदार बस, फ्रेम जड़ी तस्वीर।।

गत दो दशकों में नारी जागरण में काफी प्रगति दृष्टिगोचर हो रही है। इसका अन्य कारण नारी शिक्षा में विकास भी है। वह अनेक समस्याओं के साथ संघर्ष करती आ रही।

सामाजिक समस्याओं के साथ–साथ उसे आर्थिक समस्याओं से भी जुझना पड़ रहा है। इस लिए नारी को स्वावलंबी बनने के लिए नौकरी का आश्रय लेना पड़ता है। इसके साथ ही नौकरी करते समय नारी बाहरी दुनिया के संपर्क में रहती है, जिससे आत्म–विश्वास भी बढ़ता है। नौकरी करने से जहाँ स्वयं में आत्मा–विश्वास बढ़ाती है, वहीं अपने परिवार का आर्थिक स्थिति भी सुधारती हैं। इसलिए वर्तमान समय में कामकाजी बहु का चुनाव किया जाता है।

नौकरी नारी के लिए एक बुरा पहलु भी है। नौकरी करने वाली माताएँ अपने बच्चों, घर को प्रायः नौकरों के भरोसे छोड़ देती हैं। उनके पास बच्चों के लिए समय नहीं बचता। इस भाग दौड़ में कन्या का सुकुमारा रूप और माता का सम्मानीय रूप कहीं खो जाता है।

कठिन परिस्थिति में सदा, लेती खुद को ढाल,
नारी इक बहती नदी, जीवन करे निहाल।

अब प्रश्न यह उठता है कि इन समस्याओं का समाधान क्या हो सकता है। यह बात तो सही है कि नौकरी आज के समय की मांग है किन्तु यह अपेक्षा रखना भी अनुचित है कि नारी पुरूष के समान ही धन कमाए और गृहणी का भी भार उठाये। नारी और पुरूष उस गाड़ी के दो पहिये जैसे है जो तभी बैलेंस होगें जब दोनों पहिए समान रूप से गाड़ी खींचनें में सहयोग दें। इसलिए पुरूष को भी नारी का साथ देना चाहिए। ताकि संतुलन बिगड़े ना और नारी अग्रसर भी हो और अपने दायित्वों के प्रति उत्तरदायी भी।

सृष्टि नहीं नारी बिना, यही जगत आधार।
नारी के हर रूप की महिमा बड़ी अपार।

Name : PUJA KUMARI

Roll No. : 03

Session : 2023-25

* मुफ्त शिक्षा *

शिक्षा एक मौलिक मानव अधिकार है और व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि शिक्षा बेहतर भविष्य की कुंजी है और यह गरीबी को कम करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके वावजूद दुनिया भर में बहुत से लोग अक्सर आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित हैं।

शिक्षा को सभी के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराने का अह्वाहन करना चाहिए, इस तर्क के साथ कि शिक्षा एक बुनियादी मानव अधिकार होना चाहिए जो सभी के लिए सुलभ हो चाहे उनकी आर्थि स्थिति कुछ भी हो।

शिक्षा को मुफ्त बनाने का एक मुख्य कारण यह है कि इससे गरीबी को कम करने में मदद मिलेगी। जब लोग शिक्षित होते हैं तो उन्हें बेहतर भुगतान वाली नौकरी मिलने की संभावना अधिक होती हैं।

जो बदले में उन्हें गरीबी से बाहर निकलने में मदद करती हैं। शिक्षा लोगों को अपने जीवन के बारे में सूचित निर्णय लेने में भी सशक्त बनाती हैं।

शिक्षा को मुफ्त बनाने का एक और कारण यह है कि इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। एक कुशल कार्यबल के विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। एक सुशिक्षित जनसंख्या आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक हैं।

शिक्षा को मुफ्त करने से सामाजिक समरसता भी बढ़ेगी। सामाजिक एकता को उपकरण है क्योंकि यह लोगों के विभिन्न समूहों के बीच बाधाओं को तोड़नें में मदद करता है।

अंत में, शिक्षा एक मौलिक मानव अधिकार है और व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक हैं। शिक्षा को मुफ्त बनाने में चुनौतियाँ हैं, यह एक समाज के दीर्घकालिक लाभ के लिए किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना सरकारों का कर्त्तव्य है कि प्रत्येक व्यक्ति की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच हो और यह कि शिक्षा की बाधाओं को दूर किया जाए।

Name : SUDESHNA KAR

Roll No. : 39

Sem : 2023-25

* National Education Policy 2020 *

National Education Policy, 2020 (NEP) envisions a massive transformation in education through "an education system rooted in Indian ethos that contributes directly to transforming India, that is Bharat, sustainably into an equitable and vibrant knowledge society, by providing high quality education to all, there by making India a global knowledge superpower". The NEP 2020 is founded on the five guiding pillars of Access, Equity, Quality, Affordability and Accountability. It will prepare our youth to meet the diverse national and global challenges of the present and the future.

In school education, the national education policy 2020 stresses on the core value and principals that education must develop not only the cognition skills, that is – the both foundation skills, of literacy and numeracy, a light but tight regularly frame work to ensure integrity and resource efficiency of the system promotion of Indian culture and traditional and a focus on multigralism and respect for the diversity of local contexts.

Main challenges.

- A lack of quality early childhood education and care, in particular with reference to children from socio-economically disadvantaged backgrounds.
- A learning crisis concerning foundation skills attainment, with a large proportional of students in elementary school not having attained foundational literacy and numeracy.
- School drop-outs: there are some serious issues in retaining children in the school system A significant proportion of enrolled students drop out after grade 5 and especially after grade 8.
- With regards to higher education, challenges include a severally fragmented higher educational ecosystem, less emphasis on the development of cognition skills and learning outcomes, a rigid separation of disciplines, with early specialization and streaming of students into narrow areas of study.

Particular Feature of the Policy

An interesting feature of the policy is the role of digital and online education. In view of the Covid-19 pandemic and possible future crises, the policy underscores the need to ensure alternatives modes of quality education whenever and wherever traditional and in person modes of education are not possible.

Name : GEETA KUMARI

Roll No. : 58

Session : 2023-25

* मेरी माँ *

इस दुनिया में सबसे आसान और अनमोल शब्द– माँ। माँ दुनिया का एकमात्र ऐसा शब्द है, जिसे किसी परिभाषा की जरूरत नहीं, क्योंकि यह शब्द नहीं एहसास हैं। माँ प्रेम, त्याग और सेवा की मूर्ती है। सचमुच, माँ ईश्वर का प्रतिरूप हैं। मेरी माँ मेरा गुरूर है। मेरी माँ का नाम सरून है। मेरी माँ बहुत समझदार, मेहनती और दयालु हैं। वह हर सुबह सबसे पहले उठ जाती है। वह हमारे परिवार का अच्छी तरह से ख्याल रखती है। वह हमारे बगीचे के पेड़–पौधों पर भी ध्यान देता है। मेरी माँ हमेशा काम में व्यस्त रहती हैं।

मेरी माँ मेरी गुरू, मार्गदर्शक और मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। वह मुझे पढ़ाई के साथ–साथ नेकी और सदाचार के मार्ग पर चलने की सीख देती है। मेरी माँ मेरे मन की हर बात जान लेती है। वह मुझे मुझे सुख–दुख में साथ देती है। जब कभी मैं किसी समस्या में होती हूँ, तब वह मुझमें विश्वास पैदा करती हैं। मेरे बुरे समय में वह मुझमें उम्मीद की रोशनी जगाती है। वह हमेशा मुझे अच्छा इन्सान बनने के लिए प्रेरित करती है। मेरी माँ गरीब–असहाय लोगों की मदद करती है। आज मैं जो कुछ भी हूँ, अपने माँ के बदौलत हूँ। मेरी माँ प्यार की देवी है। इस दुनिया में माँ से बढ़कर और कोई रिशता नहीं हैं। मैं भगवान को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उन्होनें मुझे दुनिया की सबसे अच्छी माँ दी है। माँ वो होती है, जो हमें इस संसार में लाती है।

वह माँ ही है जिसके रहते जिंदगी में कोई गम नहीं होता,
दुनिया साथ दे या ना दे पर माँ का प्यार कभी कम नहीं होता।।

Name : SUSHMITA KAR

Roll No. : 11

Sem : 2023-25

* ROLE OF THE TEACHER IN EDUCATION *

Teachers play an essential role in education, mast especially in the lives of the students they teach in the classroom. What defines a teacher is his/her ability to teach students and a positive influence on them.

Generally, the role of a teacher in education goes beyond teaching. In today's world, teaching has different faces, and a teacher has to carry out the part of being an external parent, counsellor, mentor role model and soon.

SHARING KNOWLEDGE- The primary doty of a teacher is to impact knowledge and that comes from teaching. Teaching usually entails following a specific curriculum and ensuring that the students understand what is being bought. It is from this role that all other roles of a teacher originate from, because if a teacher fails in carrying out her basic responsibility to impart knowledge, then it might be difficult to have any other form of influence on the child.

ROLE MODELING- Although teachers do not see themselves as role models, the truth is they actually are. The amount of time students spends with teachers each day of week makes it possible for them to have a certain level of influence on the students. If is now down to the teacher to make this influence positive or negative.

AN EXTERNAL PARENT- The role of a teacher transcends following a specific lesson plan and work schedule, because both students and teachers spend as much time together, the teacher in advertently becomes an extevha parent teachers can be a mentor to help set the child on the vignt path. In this role the teacher can encourage the students to be the best they can be and also be a source of inspiration and advice to the students.

Teachers are important because they change lives, inspire dreams and push the limits of woman potential. A teach hev's job is to nurture, teach, and raise children to become useful to society. Teachers' role in the classroom, society and the world at large has taken a different turn from what it was back in the day. Today teacher's role has gone beyong teaching. Their role now involves counselling students, mentoring students, and teaching them how to use and apply knowledge in their lives. Teachers are now looking for way to impact students on a different level and even inspire them to be more and do more.

Name : LAXMI KUMARI

Roll No. : 28

Session : 2023-25

* मेरी माँ *

मैं कभी, बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूँ मैं माँ.....
यूँ तो मैं, दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूँ मैं माँ.....
तुझे सब है पता, है न माँ.....
तुझे सब है पता.... मेरी माँ.....
भीड़ में, यूँ ना छोड़ो मुझे
घर लौट के भी आ ना पाऊँ माँ.....
भेज ना इतना दूर मुझको तु
याद भी तुझको आ ना पाऊँ माँ.....
क्या इतना बुरा हूँ मैं माँ....
क्या इतना बुरा.... मेरी माँ.....
जब भी कभी पापा मुझे,
जो जोर से झुला झुलाते है माँ....
मेरी नजर ढूँढे तुझे
सोंचु यही तू आ के थामेगी माँ.....
उनसे मैं, ये कहता नहीं
पर मैं सहमा जाता हूँ माँ.....
चेहरे पे, आने देता नहीं
दिल ही दिल मैं घबराता हूँ माँ.....
तुझे सब है पता है न माँ.....
तुझे सब है पता..... मेरी माँ.....
ओ... मैं कभी, बतलाता नहीं
पर अंधेरे से डरता हूँ मैं माँ....
यूँ तो मैं, दिखलाता नहीं
तेरी परवाह करता हूँ मैं माँ.....
तुझे सब है पता, है न माँ....
तुझे सब है पता..... मेरी माँ.....

Name : **SUSHANTA BAURI**

Roll No. : **047**

Session : **2023-25**

* जीवन Life *

जीवन विश्वास करो, एक स्वपन नहीं है अंधेरा इतना नहीं है जितना वीतरागी बतलाते हैं। सुबह की हल्की बारिश से एक खुशनुमा दिन का अनुमान लगाया जाता है। कभी–कभी निराशा के बादल दिखाई देते हैं, परन्तु ये थोड़े समय के लिए होते है। यदि वर्षा आने से गुलाब बिखार उठते हैं तो उनके गिरने की चिता फिर क्यों करना?

जल्दी से खुशी से,

जीवन की उजली घड़ियाँ बीत जानी है

कृतज्ञता से, उमंग से

आन्नद कीजिये उन सब का जो उड़ती जा रही है।

क्या होगा जब अकस्मात मौत सामने आ जाये और जो हमको है सबके प्यारे उन्हें छीन कर ले जायें। क्या होगा जब दु:ख की जीत दिखाई दे हाथों से उम्मीद का दामन छूट रहीं हो।

Name : SONALI ROY

Roll No. : 45

Session : 2023-25

* LIBRARY BOOK *

I got it from the library. It's mine for two whole weeks. It's tucked inside my bookbag but I keep sneaking peeks. At it to check that it's still there. I cannot up it my chair with mom. She'll let me open it. Only then will we come home my mother, book, and I.

Name : MONA NAG

Roll No. : 12

Session : 2023-25

* प्यारी माँ *

हमारे हर मर्ज की दवा होती है माँ कभी डॉटती है हमें, तो कभी गले लगा लेती है माँ।

अपने होठों की हँसी, हम पर लुटा देती है माँ।

हमारी खुशियों में शामिल होकर, अपने गम भुला देती है माँ।

जब भी कभी ठोकर लगे, तो हमें तुरंत याद आती है माँ।

दुनिया की तपिश में, हमें आँचल की शीतल छाया देती है माँ।

खुद चाहे कितनी थकी हो, हमें देखकर अपनी थकान भूल जाती है माँ।

प्यार भरे हाथों से, हमेशा हमारी थकान मिटाती है माँ।

बात जब भी हो लजीज खाने की तो हमें याद आती है माँ।

रिश्तों को खूबसूरती से निभाना सीखाती है माँ।

लब्जों में जिसे बयाँ नहीं किया जा सके ऐसी होती है माँ।

भगवान भी जिसकी ममता के आगे झुक जाते है।

वो है मेरी प्यारी माँ।

Name : RAKHI KUMARI

Roll No. : 42

Session : 2023-25

कविता

* जिंदगी *

जिदगीं जीना आसान नहीं होता,
हर बस्ते में स्कूल का सामान नहीं होता,
वैसे तो एक उम्र तक बच्चे होते है सभी,
पर एक उम्र के बाद कोई बच्चा नहीं होता।

बचपन में बड़े होने पर पता चलता,
बड़ा होना बचपन सा आसान नहीं होता,
उम्मीद, जिम्मेदारी, परिवार, और बहुत,
ये सब देखना आसान नहीं होता।

बचपन का रूठना–मनाना तो अच्छा था,
अब तो रूठना जैसे गुनाह है,
खुद ही रूठ कर मान जाओ,
एक उम्र के बाद कोई नहीं मनाता।

इन बिंदुओं का क्या मतलब हैं? अब समझे,
एक आए तो रूकना और ज्यादा तो चलना,
रूक जाए या चलते रहना, हा हा हा हा
कुछ भी आसान नहीं होता।

धन्यवाद

Name : RIFAT FATMA

Roll NO. : 27

Session : 2023-25

* नारी शक्ति *

मैं स्त्री हूँ, मैं नारी हूँ।
मैं ही पूरी कहानी हूँ।
मैं दुर्गा हूँ, मैं काली हूँ।
मैं ही झाँसी की रानी हूँ।।

मैं देती हूँ, मैं दाता हूँ,
मैं ही भाग्य विधाता हूँ।
मैं जानती हूँ, मैं माता हूँ,
मैं बलिदान कि गाथा हूँ।।

पुरूषों की इस दुनिया ने देखो,
मुझको यह पैगाम दिया,
नहीं ठीक मेरे चाल–चलन,
यह कह कर बदनाम किया।।

Name : NEELIMA CHANDRA

Roll No. : 06

Session : 2023-25

* शिक्षक एक समाज सुधारक *

शिक्षक समाज का सार है,
ज्ञान की बातें वह सुनाता है,
अज्ञान के अंधेरा को हराता है।

शिक्षा के साथ वह आता है,
समृद्धि के द्वार खोलता है, शिक्षा
का प्रकाश जगमगाता है, समाज को
नई दिशा दिखाता है।

शिक्षक समाज को सजाता है,
नेता की भूमिका निभाता है,
संस्कारों को स्थापित करता है।

समाज को जागृत करता है,
अंधविश्वासों से मुक्ति दिलाता है
नये सोच को फैलाता है, नव
जीवन की राह वह दिखाता है।

शिक्षक समाज का सार है,
ज्ञान की बातें वह सुनाता है,
अज्ञान के अंधेरा को हराता है।

Name : REENA KUMARI MAHATO

Roll No. : 23

Session : 2023-25

* कोयला खनिज *

सिर पर लगी कड़ी टोपी में
जलते प्रकाश के साथ
लम्बे जूते पहने हुए
टटोलते खुदी सीम की दीवार को
अन्दर तक धंसते जाते
करने को काम
कमाने को दाम

अभी वे सचेत करने को एक दुसरे को
बजाएँगे सीटी और
रख एक ओर कुदाली
सुस्ताने को लेगें गहरी साँस
फेफड़ों में भर जाएगी काली धूल
वही धूल जब खुद हो जाएगी बाहर
बन जाएगी सोना
लादी जाएगी लोको और डम्फरों में
दूर तक जाने के लिए

खनिज पीछे ही रहेगा
बोझ साझा करने के लिए एक–दूसरे का
जिससे ही बना है
प्रगाढ़ रिश्ता उनका
एक–दूसरे से
जो निकला है
हाड़ तोड़ मेहनत से
पसीने में गुंथा हुआ।

Name : PARMILA KUMARI

Roll No. : 41

Session : 2023-25

* प्यारा झारखण्ड *

सबसे प्यारा, सबसे न्यारा,
सबसे सुंदर राज्य हमारा।
जंगल झाड़ो से भरा पूरा है झारखण्ड,
न जाने क्यों फिर पिछड़ा है झारखण्ड।
खनिज–पदार्थो की ढेर है यहाँ,
फिर भी लोग जाते है प्रदेश वहाँ।
नदी नालों की न कोई कमी हैं,
न जाने फिर क्यों लोग पानी के लिए तरसते।
संथाल बहुल राज्य झारखण्ड,
कितना सुंदर, कितना प्यारा झारखण्ड है राज्य हमार।
हम सब झारखण्डवासी व संपदा पर निर्भर,
थोड़ी कष्ट, थोड़ी संघर्ष के साथ करते जीवन बसर।
स्वर्ग जैसा सुंदर है हमारा झारखण्ड,
माँ की गोद जैसा सुकून है झारखण्ड।
सबसे प्यारा सबसे न्यारा,
झारखण्ड है राज्य हमारा।

Name : **KHUSHBOO KUMARI**

Roll No. : **31**

Session : **2023-25**

* मेरे पापा *

पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है

पिता नन्हे से परिंदे का बड़ा आसमान है।। 2।।

पिता है तो घर में पल–पल राग है

पिता से माँ की चूड़ी बिंदी और सुहाग है,

पिता है तो बच्चे के सारे सपने है

पिता है तो बाजार के सारे खिलौने अपने है।।

Name : PUNAM KUMARI

Roll No. : 19

Session : 2023-25

* हिसाब *

बादलों के
पानी का हिसाब
समुन्द्र से कौन पूछेगा?
जिंदगी एक किताब
रोज खुलता है एक पन्ना
पन्नों का हिसाब
किस्मत से कौन पूछेगा?
जो लम्हें रह गए पन्नों से चिपके ही
उन्हे न जी पाने का हिसाब
जिंदगी से कौन पूछेगा?

* प्रकृति *

सुन्दर रूप इस धरा का,
आँचल जिसका नीला आकाश,
पर्वत जिसका ऊँचा मस्तक,
उस पर चाँद सूरज की बिंदियों का ताज,
नदियों–झरनो से छलकता यौवन,
सतरंगी पुष्प–लताओं ने किया,
श्रृंगार खेत–खलिहानों में लहलाती फसले,
बिखरती मंद–मंद मुस्कान।

Name : KUMARI MAYA MAHATO

Roll No. : 17

Session : 2023-25

* मेरी माँ *

माँ तो आखिर होती है माँ।।
अपने सपनों को त्यागकर,
रातों को जागकर,
हमारी ख्वाहिशें करती हैं पूरी
उनके बिना जिंदगी अधुरी,
ममता मयी आंचल है जिनकी
जैसे गौरी और जानकी
खुशियों की तो यह है मोती,
माँ कि आँखों में करूणा की ज्योति,
रिश्तों को ये संजो कर रखती,
सारे दर्द खुद ही सह लेती
अपनों पे जब संकट आती है
मौत से भी लड़ जाती है।
कभी दुर्गा कभी चंडी बन जाती है,
जब बात अपने बच्चों पर आती है।
रब की परछाई होती है माँ
माँ तो आखिर माँ होती है माँ।।

Name : **SANDHYA KUMARI MAHATO**

Roll No. : **25**

Session : **2023-25**

* किरणे *

सुरज की पहली किरण के साथ

खिलखिलाती धूप में पंक्षियों का चहकना।

पहली किरण का जमीन पर उतर कर उसे आलिंगन देना।

किरणों के एक मात्र स्पर्श से फुलों का हँस कर उछलना।

मुर्झायों को नया जोश और छोटों को हौसला देना।

खुद में नयी उम्मीद जगाना

कहीं आप और हम भूल ना जाए जीना।

बस यही सीख देने आती है वो

शाम को थक कर सुबह जल्दी उठ जाती है वो.....

Name : BABY KUMARI MAHATO

Roll No. : 08

Session : 2023-25

* नारी शिक्षा *

- भारत की उन्नति के लिए नारी को शिक्षित होना बहुत जरूरी है।
- शिक्षित महिलाएं ही देश समाज और परिवार में खुशहाली ला सकती है।
- नारी – शिक्षा की उन्नति के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ बनाई जा रही है।
- महिला साक्षरता की कमी देश को कमजोर बनाती है।
- भारतीय समाज के सही आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नारी शिक्षा बेहद जरूरी है।
- अगर नारी – शिक्षा को नज़र अंदाज़ किया गया तो देश भविष्य के लिए यह किसी खतरे से कम नहीं होगा।
- नारी को पढ़ाना देश को आगे बढ़ाना है।

Name : NISHA MANDAL

Roll No. : 24

Session : 2023-25

* पेड़ पर कविता *

प्रकृति का वरदान है पेड़,
मानव पर उपकार है पेड़।
इन पेड़ो की छटा निराली,
इनसे ही सब ओर हरियाली।

धुप में छाया है पेड़,
भुखे का भोजन है पेड़।
सब कुछ तो यह दे देते है,
कभी न रखते अपनी खैर।

अगर काटोगे इनको तुम,
जीवन कहाँ से पाओगे।
इनसे ही तो साँसे मिलती,
साँसे कहाँ से लाओगे।

Name : **APSARA PRAWEEN**

Roll No. : **40**

Session : **2023-25**

* भक्ति *

ना सरकार मेरी है, ना रोब मेरा है।

ना बड़ा सा नाम मेरा है, मुझे तो एक छोटी सी बात का गौरव है

मैं हिन्दुस्तान की हूँ और हिन्दुस्तान हमारा है।

''ना पुछो जमाने से क्या हमारी कहानी है''

हमारी पहचान तो सिर्फ ये है कि हम सिर्फ हिन्दुस्तानी है।

''अपनी आज़ादी को हम हरगीज़ मिटा सकते नहीं, सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं।

Name : NIKETA SINGH

Roll No. : 46

Session : 2023-25

* जलवायु परिवर्त्तन (CLIMATE CHANGE) *

आने वाला कल दुनिया में, मुसीबतों का कल होगा
जीवन पर संकट के बादल, संघर्ष यहाँ पल–पल होगा
नहीं मिलगा पीने पानी, नहीं अन्न और फल होगा
पर्यावरण क्षरण के कारण, ताप से बहुत विकल होगा
चारों और अनल होगी, लपटों में विश्व सकल होगा
कहीं रेगिस्तान धरा पर, कहीं भरा जल होगा
नहीं रहेगें जीव धरा पर, भरा हलाहल होगा
बीता कल अतीत हो गया, वर्त्तमान भी बीत रहा
जल जंगल जमीन धरा पर, तेजी से सब सिकुड़ रहे
प्रदूषण बढ़ रहा धरा पर, मौसम के तेवर बदल रहे
कहीं हाड़ कंपाती सर्दी हैं, कहीं गर्मी बहुत सताती है
बेमौसम पानी पड़ रहा धरा पर, आँधी तट बंध दहाती है
जल जंगल जमीन का दोहन, पर्यावरण बिगाड़ रहे
जैव विविधता खत्म हो रही, कई जीवों का नामोनिशान मिटा
कल क्या होगा बिना सोचे समझें, जीवन का रहा अस्तित्व मिटा
अंधे होकर चलेगी दुनिया, महाप्रलय आ जाएगी
जलवायु परिवर्त्तन से, मानवता संकट में आ जाएगी
आने वाला कल दुनिया में, मुसीबतों का कल होगा
नहीं मिलेगा पीने पानी, नहीं अन्न और फल होगा।

Name : **SWEETY KUMARI**

Roll No. : **08**

Session : **2023-25**

* दान का महत्व *

हमारा भारत देश एक लोकतांत्रिक देश है। जहाँ आम जनता को ही सर्वोपरि माना जाता है। यह आम जनता ही मतदान के द्वारा देश का शासक तय करती है। लोकतंत्र में मतदान बहुत जरूरी है और जब तक मतदान करने का हक़ आम लोगों के पास है तभी तक देश में लोकतंत्र है। मतदान लोकतंत्र की प्राणवायु है, अतः सभी को इसके महत्व के बारे में जरूर पता होना चाहिए। लोकतंत्र में आम लोगों द्वारा किया गया मतदान ही तय करता है कि देश का प्रतिनिधि कैसा होगा, जब देश में सभी मतदान करते हैं तो निश्चित रूप से हमें एक अच्छी और ईमानदार सरकार मिलती है। लेकिन जब आम लोग मतदान के महत्व को ना समझकर मतदान में भाग नहीं लेते तो ऐसे प्रतिनिधि चुनकर आते है जो अयोग्य होते है। मतदान करना हमारा अधिकार भी है और कर्तव्य भी। अतः हमें एक सुयोग्य, कर्मठ, ईमानदार प्रत्याशी ही चुनना चाहिए।

Name : ANUSHREE CHOWDHURY

Roll No. : 43

Session : 2023-2025

* WHO IS HONEST? *

One day king Krishnadeva Raya and his courtiers were enjoying an interesting discussion going on at the court Bhuvana Vijayam. The topic was: “Who is hones, the rich or the poor?”

The royal priest, Rajguru said, “your majesty! When the poor man is forced by his adverse circumstances he becomes dishonest. But he is helpless because his poverty makes him do so!”

Then Tenali Raman stood up and contradicted the royal priest’s contention, and said,” Your Highness! I do not agree with what he says!”

And the courtiers began to discuss the issue in whispers. They had a variety of opinions. But still they were curious to know who was right Rajguru or, Tenali Raman.

Then the king said, “well, Tenali, can you prove that whatever the royal priest says is wrong?”

Tenali Raman replied, “Your thighness, I can prove, but I want some time!”

The king asked, “how much time you want?”

Tenali Raman said, "About a week – a little more little less depending upon the circumstances?"

Then Tenali Roman went closer to the king and whispered something, into the king’s ear, hearing which the king said, “All right! I'll make arrangement and if you could prove contentions to be true, I’ll award you also!”

Later on, in the presence of the king, Tenali Raman asked for Some gold coins from The Royal treasury after them he put them into two small bags. Then, he two different paths! One at the path trodden by the Nagar Seth (the most rich man of the capital city) to the river ting Bhadra to have his bath early in the morning every day. And the other on the path taken up by a poor man early in the morning in search of work. Now, let us see which of these two bags return intact.”

The King gave his consent.

Next day morning Tenali Raman threw a bag on the rich man's path. Them he hid himself behind a tree and kept watching the way.

As usual, at dawn the seth came out of his house, and left for the river to take his bath. But when he expired a small bag lying on the way, he hatted and became curious, "what sort of bag is this? I must open and see what it contains!"

And as he opened the bag, many gold came out making a clanking sound, and fell on the ground. He was bemildered. "Oh my God! These are gold coins! How! What an auspicious day is today for me. I must take away these gold coins before anyone sees me doing so!"

The seth quickly gathered the gold coins and instead of going to take bath, he returned his home hiding the gold coins in the fold of his kurta (shirt). He thanked the Goddess Lakshmi for showering her grace on him.

Next day Roman threw the bag on the poor man's way. When the poor man spotted the bag lying on his way, he immediately lifted them up in surprise and exclaimed, "who lost this bag here so early in the morning? Let me see what it contains?"

And when he did so his eyes were dilated on seeing the gold coins. "Oh! My God! So much of money? What should I do with it?"

While the poor man was returning same, the gold coins stirred a commotion in his conscience. "Oh God! What should I do with these? Should I use them for my benefit of return?" now the poor man was in fix. He was thinking, "lest these coins are his lifetime's saving? I must return them. But whom I should returned these to? I can't keep them either or else I'd committing a sin."

Then after a prolong deliberation the poor man decided to deposit them in the royal treasury. He did so and took the receipt of the deposit thus made. But these operations took his entire day and he couldn't earn a dine that day. Tenali Raman watched the whole episode of the poor man.

A few days passed, Tenali Raman waited for the return of other bag, but the bag was not returned. Then Tenali Raman informed the king, "you Highness! Only one bag has come back."

"Is it!" exclaimed the king and asked, "who returned the bag!"

"The poor man!" replied Tenali Raman.

"All right! Now send for seth, "ordered the king and added, "also send for that poor man."

When both the wanted persons reached the royal court, the king first asked the Seth, "what did you do with the money you got lying on your way to the river?"

"What money? Oh….. that money," the seth replied hesitatingly, "that I have invested in my business!"

"why didn't you try to return the money to its legitimate owner?" the king asked sternly.

"why should I have done that," the seth questioned, "I got the bag lying on my way, My Lord! Deeming it to be a token of the grace of Goddess Lakshmi I brought it home!"

But you'd return that money to state treasury as it was the royal property," the king announced.

"Have mercy on me, your Majesty!" pleaded the Seth," How can I return that money now? That is used up is my business! And I suffered heavy loss in my business!"

The king kept quite for sometime and then asked the poor man.

"Why didn't you use that money. If you wanted you could have easily removed your poverty with that money!"

"Your majesty, my conscience didn't allow me to accept it! I thought, possibly that money that money might be the life's total earning of some person like me. In that case, by using that money I would have committed a grave sin." The poor man explained.

Then Tenali Raman told the king, "Your Highness, I told you that it's only a poor man who's hones and not a rich man!"

"You're very much right, Tenali" admitted the king, "Really the poor men are more honest than the rich men. By your test you've proved it conclusively."

The king's this remark brought admiration for Tenali Raman while the Rajguru cut a very sorry figure. Them Tenali Raman said, "Your highness! As you promised that it I be found correct, you would award me!"

"Yes Tenali," said the king, "Not only you but that poor man also deserves an award!"

Then the king asked the royal cashier to bring that bag which was duly returned. The king gave that bag containing gold coins to the poor man and said, "This is the award for your honesty and higher sense of morality!" The poor man happily accepted the award and went home. Then the king ordered the cashier to bring another bag containing equal amount of gold coins. "And this award is for you Tenali, for your sound judgement of basic human nature!"

Tenali Raman happily accepted the reward. The Seth was asked to returned that money to the royal treasury. This was his punishment for being dishonest and greedy.

Honesty teaches us that integrity and honesty are not only moral imperatives but also keys to earning trust, respect and opportunities in life.

SARASWATI EDUCATION DEVELOPMENT TRUST
विद्या ददाति विनयम

Name : NEELAM KUMARI

Roll No. : 35

Session : 2023-25

* माँ *

दुनिया का सबसे खुबसुरत शब्द 'माँ' है। माँ शब्द से खुबसुरत और कोई दुसरा शब्द ही नहीं है। माँ के बिना पुरी दुनिया अधुरी होती है। माँ के बारे में जीतने भी शब्द का प्रयोग करें वो कम ही पड़ जाता है। दुःख हो या सुख सबसे पहले माँ ही याद आती है। माँ क्या होती है ये तो माँ के नहीं रहने पर पता चलता है। एक माँ ही तो होती है जिसे हम सब कुछ बताते है। कभी भी जाने–अनजाने में हम माँ के दिल को ठेस पहुँचाते है तो कभी भी नाराज नहीं होती है। बहुत ही कम उम्र में अपनी माँ को खो चुकी थी। मैं अपनी माँ को बहुत याद करती हूँ।

माँ के बारे में क्या लिखूँ,
मैं खुद माँ कि लिखावट हूँ!

Name : PREETI KUMARI

Roll No. : 32

Session : 2023-25

* WOMEN EMPOWERMENT*

Women need n empowerment
But endorsement
Of their being equal
To the gender called male

For the time of birth
Till death
Their position is undermined
The case has to be thoroughly examined

Still today the girl are not preferred
And baby boy is always wished
In many cases they are aborted
And such incidences are really ill fated

Let us shame ourselves
How do we behave?
Rape them in open
Pick them, strangulate and murder even

Let's stop is ruthless at,
To this act, lets say no!
Let's treat her as a friend
And not as a foe.

Name : BULBUL KUMARI

Roll No. : 02

Session : 2023-25

* बचपन की स्कूल लाईफ *

बचपन का सबसे सुहाना समय होता था, जब हम स्कूल जाते थे। स्कूल एक ऐसी जगह होती है जहाँ हमें न केवल शिक्षा मिलती है, बल्कि हम वहाँ मित्रों के साथ खेलकर उनसे बहुत कुछ सीखते है। स्कूल जीवन एक ऐसा प्यारा समय है जो हमें संघर्षों का सामना करने की दिशा में मदद करता है। हमें अपने सपनों की पूर्ति के लिए मेहनत करना सिखाता है और सहयोग एवं समर्थन की महत्व को समझाता है।

यह दिन हमारी यादों मे हमेशा रहते हैं और हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। इसमें हमें अनेक खुशियाँ और दुख भी मिलते है। हमें स्कूल के दिनों में दोस्तों के साथ खेलने, लंच लाने और सुबह स्कूल जाने की उत्सुकता होती है। स्कूल के जीवन में अध्यापक हमारे लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है और हमें नैतिक मूल्यों का पाठ सिखाते है।

स्कूल जीवन मे हम अपने अनेक दोस्त बनाते है। स्कूल में अपने दोस्तों के साथ बनाए गए रिश्तों को दिल से याद करते है। अपने अधिकांश संमय स्कूल में ही बिताते है और इस समय में हमारे दोस्त भी साथ रहते है। इस दौरान हमें अपने दोस्तों के साथ मिलकर काम करना, सहयोग करना और एक दूसरे का साथ देना सीखने का अवसर मिलता है।

यह एक ऐसा पल है जो जीवन में दोबारा नहीं मिलता है। बस उसी बचपन की यादों को याद करते रहते है। आखिरी दिन हमेशा यादगार होता है। उस दिन हम अपने दोस्तों से विदाई लेने के लिए मिलते हैं और स्कूल के अच्छे–बुरे लम्हों को याद करते है। वह दिन हमारे लिए बहुत भावुक पल होता है, जिसमें हम स्कूल के उस सुंदर समय को याद करते हैं और उसकी महत्वपूर्ण सीखों को ध्यान में रखते है।

यह हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय होता है। हमारा निर्माण और सहजता उसी से होती है। भविष्य के लिए अच्छी नींव है और हमें जीवन की सफलता की दिशा में अग्रसर करता है। इस जीवन में हम नैतिक और शिक्षात्मक मूल्यों को सीखते है और हमेशा प्रेरणा लेते है।

बचपन के स्कूल दिन थे सुहाने और खिलखिलाए,
दोस्ती की यादे रंग बिरंगी पेंसिल और छाए।
गणित की पहेलियों से नहीं था हमें कोई सरोकार
गर्मी की छुट्टियों में किया पानी से तकरार।
गीत सभी गुणों के साथ एक स्कूल की यादें
जिन्दगी के सफर मे हमेशा रहेगी वो सुनहरी बातें।

Name : SUNITA KUMARI GORAIN

Roll No. : 36

Session : 2023-25

* मेरी प्रिय सहेली *

मेरी सबसे प्रिय सहेली का नाम मलना है वह मेरी बहुत अच्छी दोस्त है। उसके बारे में मैं जितना भी लिखूँ कम है। वह मुझसे बहुत अधिक प्यार करती है और वह मेरे लिए कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाती हैं।

मलना को समाज की सेवा करना बहत ही पसंद है। वह एक डॉक्टर है और अपनी मर्जी से वह कभी भी दूसरों को दुख देना नहीं चाहती है। वह अपने मरीजों को भी बहत ही प्यार से देखती है।

हम दोनो एक दूसरे को अपने मन की सारी बातें बताते हैं।

मैं और मलना बचपन से ही एक–दूसरों को बहत पसंद और प्यार करते है। और समय के साथ हम दोनों बहुत ही गहरे दोस्त बन गए है। हम दोनों एक–दूसरों को अपनी तकलीफ बताकर अपने परेशानीयों को भूल जाते है।

अभी हम दोनो की मुलाक़ात बहुत ही कम होती है परंतु वह भी जिम्मेदार लडकी है। वह हमेशा से ही सबको खुश करने का प्रयास करती है। उसकी अच्छाई के बारे मे मैं जितना भी कहुँ वह शब्द भी मेरे लिए कम पड़ जाते हैं।

हम दोनों एक–दूसरे के परिवार से भी बहुत ही प्यार करते हैं। उसकी जैसी सहेली मुझे बहुत ही भाग्य से मिली है।

Name : SARSWATI TUDU

Roll No. : 51

Session : 2023-25

* प्यारी-प्यारी हरी पत्तियाँ *

हरियाली के कपड़े पहने,
फल–फूलों के सुंदर गहने,
लगती बिल्कुल परी पत्तियाँ,
प्यारी–प्यारी हरी पत्तियाँ।

ऊपर छतरी–सी छाई हैं,
थोड़ी नीचे भी आई हैं,
बिछी दरी–सी हरी पत्तियाँ,
प्यारी–प्यारी हरी पत्तियाँ।

मन करता हैं इन्हें उठा लें,
दाँतों से कुतरें या खा लें,
मीठी–मीठी हरी पत्तियाँ,
प्यारी–प्यारी हरी पत्तियाँ।

चिड़ियाँ आती हैं सुस्ताने,
दाना खानें, प्यास बुझाने,
पानी की गगरी पत्तियाँ,
प्यारी–प्यारी हरी पत्तियाँ।

हाथ हवा में हिला रहीं हैं,
जाने किसको बुला रही हैं,
पेड़ो की फुलझड़ी पत्तियाँ,
प्यारी–प्यारी हरी पत्तियाँ।

Name : **RAAJ DUBEY**

Roll No. : **04**

Session : **2023-25**

* MOTHER *

Your aims were always open
When I needed a hug.
Your heart understood,
When I needed a friend.

Your gentle eyes stolen
When I needed a lesson.
Your strength & love has guided me
And gave me wings to fly.
Dear mother,
I’ll love you till I die?

Name : JUHI KUMARI

Roll No. : 55

Session : 2023-25

* शिक्षक *

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
माता–पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैस बन पाती,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

Name : PRABHANSHI KUIVEDI

Roll No. : 15

Session : 2023-25

* ONE MORE STEP ALONG THE WORLD I GO *

One more step
Along the world I go,
From the old things to the new
Keep me traveling
Along with you
And it's from the old
I travel to the new
Keep me traveling
Along with you.
Round the corner
Of the world I turn,
More & more about
The world I learn
And the new things that I see
you'll be looking at
along with me
and it's from the old
I travel to the new
Keep me traveling
Along with you.

Name : URMILA KUMARI KISKU

Roll No. : 16

Session : 2023-25

* सबसे ऊँचे बढ़ते रहना *

मन लगाकर पढ़ते जाना,
साकार सपनों को करते जाना।
कोशिश हरदम करते रहना,
सबसे ऊँचे बढ़ते रहना।।

इस बढ़ती दुनिया में,
तुम कभी न खोना।
जीवन में आगे बढ़ने में,
पीछे तुम कभी न हटना।।

देश का नाम रौशन करना,
अपने सफल प्रयासों से।
सदा ही तुम टकराते रहना,
मुश्किलों और आँधी–तुफानों से।।

कल की छोड़ आज को देखना,
अच्छे–अच्छे काम है करना।
हरदम ऊँचे बढ़ते जाना,
पीछे मुड़कर कभी न देखना।।

मन में सदा यही है रखना,
हार कभी न तुम मानना।
मन लगाकर पढ़ते रहना,
सबसे ऊँचे बढ़ते रहना।।

Name : MAYURAKSHI JHA

Roll No. : 09

Session : 2023-25

* ये शिक्षक कहलाते है *

रोज सुबह मिलते है इनसे
क्या हमको करना है ये बतलाते हैं।
ले के तस्वीर इन्सानों की
कभी डांट तो कभी प्यार से
कितना कुछ हमको ये समझाते है।
है भविष्य देश का जिनमें
उन सबका भविष्य ये बनाते है।
है रंग कई इस जीवन में
रंगों की दुनिया से पहचान, ये करवाते है।
खोना जाये भीड़ में कहीं हम
हम को हम से ही ये मिलवाते है।
हार–हार के फिर लड़ना ही जीत है सच्ची
ऐसा एहसास ये हमको करवाते है।
कोशिश करते रहना हर पल,
जीवन का अर्थ हमें ये बतलाते है
देते है नेक मंजिल भी हमें
राह भी बेहतर हमें ये दिखलाते है।
देते है ज्ञान जीवन का
काम यही सब है इनका
ये शिक्षक कहलाते है, ये शिक्षक कहलाते है।

Name : MONIKA KUMARI
Roll No. : 38
Session : 2023-25

* IMPORTANCE OF VOTING *

Voting is an integral part of democracy.

Voting is the one way to be more civically engaged with your government.

Voting is one of the fundamental rights our country offers.

Voting is as much a duty as it's a right.

Every adult is given the right to vote regardless of gender cast occupation etc.

Its is the best way to express the opinion of a citizen in a democratic state.

We can say voting is an important civic duty that can significantly impact the future of a country.

By voting people can decide the direction of change and development.

Name : SNEHA
Roll No. : 56
Session : 2023-25

* शिक्षक *

अंधेरे में जो मोमबत्ती का काम करे,
वो है शिक्षक।
जो आपको कामयाबी तक पहुँचाए,
वो है शिक्षक।
तेज तूफान में जो आपकी कश्ती को संभाले,
वो है शिक्षक।
जो आपको ऊँगली पकड़कर चलना सिखाए,
वो है शिक्षक।
जो रणभूमि में आपका सारथी बन जाए,
वो है शिक्षक।
दोस्त भाई–बहन, माता–पिता,
चाहे हो स्कूल में अध्यापक,
सब है शिक्षक।
जो जिंदगी आपको जीने के तरीके सिखाए
दुनियादारी के उसूल बताए
वो जिंदगी है शिक्षक
जो समय की ठोकरें खिलाकर,
अपने पैरो पर खड़ा होना सिखा दे,
वो है शिक्षक
जब कोई खुद आत्ममंथन करते,
तो वो इंसान खुद है शिक्षक।
आज उन सभी शिक्षकों को प्रणाम करते है,
उन्हें कोटि–कोटि धन्यवाद करते है।

Name : NISHA KUMARI

Roll No. : 05

Session : 2023-25

* जिंदगी *

न चादर बड़ी कीजिये
न ख़्वाहीश दफन कीजिये
चार दिन की जिंदगी है
बस चैन से बसर कीजिये
न परेशान किसी को कीजिये
न हैरान किसी को कीजिये
कोई लाख गलत भी बोले
बस मुस्कुरा कर छोड़ दीजिये
न रूठा किसी से कीजिये
न झूठा वादा किसी से कीजिये
कुछ फुरसत के पल निकालिये
कभी खुद से भी मिला कीजिये.....

Name : PUNAM MAHATO

Roll No. : 10

Session : 2023-25

* जिंदगी *

जब तक चलेगी जिंदगी की सांसे
कहीं प्यार, कही टकराव मिलेगा।
कहीं बनेंगे संबंध अंतर्मन से तो,
कहीं आत्मीयता का अभाव मिलेगा।
कहीं मिलेगी जिंदगी में प्रशंसा तो,
कहीं नाराजगियों का बहाव मिलेगा।
कहीं मिलेगी सच्चे मन से दुआ तो,
कहीं भावनाओं से दुर्भाव मिलेगा।
कहीं बनेंगे पराए रिश्तें भी अपने तो
कहीं अपनो से ही खिंचाव मिलेगा
कहीं होगी खुशामदें चेहरे पर तो
कहीं पीठ पे बुराई का घाव मिलेगा।
तु चलाचल राही अपने कर्मपथ पे,
जैसा तेरा भाव वैसा प्रभाव मिलेगा।
रख स्वभाव में शुद्धता का स्पर्श तु
अवश्य जिंदगी का पड़ाव मिलेगा।

Name : SUNITA KUMARI MAHATO
Roll No. : 53
Session : 2023-25

* "मुझको मेरा हक दो" *

(एक बेटी का अनुरोध)
"मुझको मेरा हक दो पापा
बहुत कुछ कर दिखालाऊँगी ।
लेने दो खुली हवा में सांसे,
बेटे से ज्यादा फर्ज निभाऊंगी ।।
मुझको मेरा..... कर दिलखऊँगी
उड़ने दो किसी पतंग के जैसी,
आसमान को छुकर आऊंगी ।।
क्यों डरते हो हैवान दुनिया से
अकेले सब पर भारी पड़ जाऊंगी ।।
मुझको मेरा..... कर दिलखऊँगी
माना डगर कठिन बहुत है,
मंजिल तक फिर भी जाऊंगी।
मुझ पर करो भरोसा तुम
कभी न दुःख पहुँचाऊगी
मुझको मेरा हक दो पापा..... कर दिलखऊँगी
आयेगा कभी वक्त बुरा भी,
हर सुख–दुख में साथ निभाऊंगी,
नहीं बनुँगी कमजोर कड़ी मैं।
अपने घर की ताकत बन जाऊंगी
मुझको मेरा..... कर दिलखऊँगी
शान हूँ अपने बाबुल की
कभी न नीचा दिखलाऊँगी
खेले अगर कोई मेरे आन से
रूप दुर्गा चंडी का बन जाऊँगी।
मुझको मेरा..... कर दिलखऊँगी
लेने दो खुली हवा में सांसे
बेटे से ज्यादा फर्ज निभाऊंगी।

PARJANYA B.Ed. COLLEGE, DHANBAD

Our Rank Holders for the Session 2020-22 (Top Ten)

Ginni kumari
81.08%

Ankita sarkar
81%

Priyanka kumari
79.85%

Sharmistha mahato
77.77%

Poonam kumari
79.69%

Laxmi kumari
79.15%

Renuka kumari
79%

Sushma giri
78.92%

Pooja singha
78.69%

Lekhoni hembrem
78.31%

Our Rank Holders for the Session 2021-23 (Top Ten)

Saloni gupta
81.69%

Namrata kumari
81.62%

Khushbu kumari
80.92%

Monika bhatiya
80.08%

Aakrity raj
79.77%

Sandip kaur
79.69%

Gayatry kumari
79.54%

Anu kumari
78.46%

Ankit kumar sinha
78.38%

Aindrila chakraborty
77.85%

Aura Cultural Meet

PARJANYA B.Ed. COLLEGE, DHANBAD

PARJANYA B.Ed. COLLEGE, DHANBAD

College Activities

MEDIA TIMES

पर्जन्य बीएड कॉलेज कल्चरल फेस्ट में बोले कुलपति
शिक्षा का बेहतर माहौल बनाएं

पर्जन्य बीएड कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित फेस्ट में कुलपति, प्रतिकुलपति, सचिव व प्राचार्या के साथ छात्र-छात्राएं. फोटो। प्रभात खबर

प्रतिनिधि ▷ बलियापुर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर में और कल्चरल फेस्ट का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया. कार्यक्रम का उद्घाटन बीबीएमकेयू के कुलपति अंजनी कुमार श्रीवास्तव, प्रति कुलपति अनिल कुमार महतो, पूर्व कुलसचिव डॉ एसकेएल दास ने संयुक्त रूप से किया. कुलपति अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा के गुणात्मक विकास की दिशा में लोगों को आगे आने की जरूरत है. बेहतर शिक्षा समाज का आईना है. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा की.

छात्राओं ने नृत्य-गीत से किया मंत्रमुग्ध

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने झारखंड, बिहार, आसाम, ओड़िशा, मणिपुर आदि राज्यों के नृत्य की प्रस्तुति से अनेकता में एकता का संदेश दिया. छात्रों ने कॉलेज में स्टॉल भी लगाया गया, जिसमें प्रथम झारखंड बिहार एवं द्वितीय पंजाब रहा. बीएड कॉलेज के प्रशिक्षु छात्र लक्ष्मण महतो, अनामिका गिरि व विक्रम आनंद को प्रशस्ति पत्र पुरस्कार देकर सम्मानित किया. मौके पर पर्जन्य बीएड कॉलेज के पत्रिका का विमोचन किया गया.

शिक्षक के दायित्व पर चर्चा : बीबीएमकेयू के प्रति कुलपति अनिल कुमार महतो ने शिक्षक के दायित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि चरित्र निर्माण की दिशा में शिक्षक की अहम भूमिका होती है. पूर्व कुलसचिव डॉ एसकेएल दास ने कहा कि पर्जन्य बीएड कॉलेज द्वारा किये गये कार्यक्रम सराहनीय हैं. उन्होंने इसके लिए कॉलेज के सचिव इंद्रजीत महतो व प्राचार्या डॉ स्मृति नागी को बधाई दी. कार्यक्रम का संचालन प्रो संदीप कुमार तिवारी ने किया. कार्यक्रम में कॉलेज के सचिव सह 20-सूत्री जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत महतो, प्राचार्य डॉ स्मृति नागी समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे.

Organization of rally and street play for de-addicti

DN ■ Tisra

Under the leadership of Smriti Nagi, Principal of Parjanya B.Ed College under Balliapur block, students, teachers, officials, representatives of Balliapur BJP Western Division and youth of the area organized a rally and street play to make the roads and colonies of MOCP drug free. Through this, people were appealed to remain alert. Speakers said that apart from alcohol, due to consumption of various types of harmful Gutkha, Paan Mashala, cigarettes etc., people are suffering from various types of diseases and are facing untimely death. This causes loss to people and money, which is impossible to compensate. For the well-bei children and family, d consume any kind of ir icant and be alert to li healthy life. Former Parishad member cum leader Tara Devi, wi Sindri MLA Ind Mahato, was seen ap ing to the people for c eration in building a d free society through s drama. Senior BJP lea Manoj Mishra, Shai Singh, Vijay Singh, Ar Khatri, Mandal Presi Mantu Ravani, Dharme Mahato, Muktesh Mahato, etc were pres

पर्जन्य बीएड कॉलेज ने निकली नशा मुक्ति रैली

सिंदरी. बीबीएमकेयू से संबद्ध पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत सोमवार को सिंदरी शहर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया. इससे पहले रैली निकाली गयी. मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी सह कॉलेज कोषाध्यक्ष तारा देवी ने लोगों से नशा मुक्ति के लिए शपथ लेने की बात कही. कहा कि नशा से समाज का नाश होता है. इसलिए हमलोगों ने लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए ऐसा कार्यक्रम करने का फैसला लिया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ स्मृति नागी, प्रो कार्तिक दां, प्रो संदीप तिवारी, प्रो संतोष राम, भाजपा नेता दिनेश सिंह, शैलेश सिंह, मनोज मिश्रा, अरविंद खत्री, विजय सिंह, प्रकाश बाउरी, बृजेश सिंह, शैलेंद्र द्विवेदी, इंदुबाला, अनिमा सिंह, चंद्रावती देवी आदि थे.

बीबीएमकेयू युवा महोत्सव अंतर्नाद के लिए कॉलेजों की टीमों का निबंधन आज

27 कार्यक्रमों के लिए बने 3 स्टेज, यूनिवर्सिटी हेल्थ सेंटर का कुलपति ने किया उद्घाटन

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

बीबीएमकेयू में 5 फरवरी से तीन दिवसीय चतुर्थ इंटर कॉलेज युवा महोत्सव अंतर्नाद शुरू होगा। इसमें धनबाद और बोकारो के 21 कॉलेजों के 200 से अधिक प्रतिभागी छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। पहली बार महोत्सव के सभी इवेंट विश्वविद्यालय परिसर में ही होंगे। महोत्सव में भाग लेने वाली कॉलेजों की टीमों का रजिस्ट्रेशन शनिवार को होगा। इसके लिए विद्यार्थियों और संबंधित शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिन के 12 बजे बुलाया गया है। रजिस्ट्रेशन शुल्क 3 हजार रुपये और प्रोटेस्ट शुल्क 2 हजार रुपये है। कॉशन मनी के तौर पर 5 हजार रुपये भी लगेंगे, जो रिफंडेबल होगा। इसके साथ ही आयोजन समिति सदस्यों और टीम मैनेजरों की बैठक भी शनिवार को होगी। पहले दिन महोत्सव शुरू होने से पहले सांस्कृतिक झांकी भी निकाली जाएगी। इसके लिए सभी टीमों को सुबह 9 बजे रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। यह झांकी मेमको मोड़ स्थित नए समाहरणालय भवन से बीबीएमकेयू परिसर तक जाएगी।

हेल्थ सेंटर का उद्घाटन

स्टेज दो में होंगे लिटरेरी के इवेंट

पहले दिन 5 फरवरी को इलोक्यूशन, वाद-विवाद जैसे लिटरेरी के इवेंट स्टेज दो पर होंगे। वहीं लिखित क्विज प्रतियोगिता ग्राउंड फ्लोर के कमरा संख्या 1 में होगी। इसी तरह स्किट व मिमिक्री के थिएटर के इवेंट स्टेज 1 में होंगे। वहीं रंगोली, पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी जैसे फाइन आर्ट के इवेंट स्टेज 3 पर होंगे। इसी तरह दूसरे दिन 6 फरवरी और फिर अंतिम दिन 7 फरवरी को इवेंट होंगे।

27 इवेंट के लिए बने तीन स्टेज

युवा महोत्सव में कुल 27 इवेंट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए विवि में तीन स्टेज बनाए गए हैं। पहले दिन सुबह 11 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन होगा। फिर सरस्वती वंदना, कुलगीत आदि 12:40 बजे तक होंगे। इसके बाद दिन के 2 बजे से इवेंट शुरू होंगे। स्टेज वन में लाइट वोकल इंडियन, ग्रुप सांग इंडिया, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल जैसे इवेंट रात 8 बजे तक होंगे।

यूनिवर्सिटी हेल्थ सेंटर का किया गया उद्घाटन

एकेडमिक ब्लॉक में शुक्रवार को यूनिवर्सिटी हेल्थ सेंटर की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई। उद्घाटन कुलपति डॉ पवन कुमार पोद्दार ने मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन की उपस्थिति में किया। मौके पर रजिस्ट्रार डॉ कौशल कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी, एआर डॉ रिजवान अहमद आदि मौजूद थे। कुलपति ने कहा कि फिलहाल प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के रूप में यहां फर्स्ट एड की सुविधा होगी। हर दिन एक डॉक्टर कुछ घंटों की सेवा देंगे। भविष्य में छोटा अस्पताल का रुप देने की कोशिश होगी। डॉक्टर सहित विभिन्न पदों के लिए जरूरी प्रक्रिया भी की जाएगी।

पर्जन्य बीएड कॉलेज में पुरस्कार वितरण समारोह

बलियापुर पर्जन्य बीएडे कॉलेज में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर में पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रथम बैच 2013-14 से लेकर सत्र ...2 तक के छात्र ...नित हुए। छात्र ...बोधित करते हुए ...प्राचार्या डॉ. स्मृति ...को सफल बनाने ...होने के लिए ...ा। भविष्य में ... विकास में ...श्चित करने का ... इस कार्यक्रम में पूर्ववर्ती छात्रों की संस्था अध्यक्ष बादल रवानी, उपाध्यक्ष नवीन कुमार, सचिव इलियास अंसारी, कोषाध्यक्ष गोउर चन्द्र महतो ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्राचार्या द्वारा सम्मानित किया गया।

मौके पर शिक्षक कार्तिक दा, प्रोफेसर संदीप कुमार तिवारी, प्रोफेसर मंटू राम महतो, प्रोफेसर रजत ठाकुर, प्रोफेसर संतोष कुमार राम, प्रोफेसर संजय कुमार महतो, प्रोफेसर जलेश्वर महतो, प्रोफेसर मिनाक्षी सिंह, स्वरूप दत्ता आदि मौजूद थे।

प्रर्जन्य बी एड कॉलेज के छात्र - छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

धनबाद, शनिवार 22.06.2019 प्रभात

सीआरपीएफ कैंप प्रधानखंता में कमांडेंट आलोक वीर यादव के नेतृत्व में सैकड़ों जवानों ने योगाभ्यास किया. बलियापुर हाईस्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में इंद्रजीत महतो, घनश्याम ग्रोवर, बीडीओ रतन कुमार सिंह थे. पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर में प्राचार्या डॉक्टर स्मृति नागी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने योग किया.

पर्जन्य बीएड कॉलेज में दीपावली महोत्सव

बलियापुर. पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर में बुधवार को दीपावली महोत्सव व सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया. कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया. दीप महोत्सव को ले छात्र-छात्राओं ने मिट्टी के आकर्षक दीये बनाये. मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर प्राचार्य डॉक्टर स्मृति नागी, प्रो कार्तिक दा, प्रो संदीप तिवारी, प्रो संतोष राम, प्रो रजत कुमार ठाकुर, प्रो मंटूराम महतो, प्रो संजय महतो, प्रो उमेश महतो, प्रो जलेश्वर महतो, प्रो मीनाक्षी सिंह, स्वरूप दत्ता, गोउर चन्द्र महतो आदि मौजूद थे.

पर्जन्य बीएड कॉले... बलियापुर में टुसू व लोहड़ी कार्यक्रम

गुड मॉर्निंग इंडिया

बलियापुर । मकर संक्रांति के मौके पर शनिवार को पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर में टुसू व लोहड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं ने नृत्य गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी ने कहा कि यहां की संस्कृति को बचाने के लिए तमाम लोगों को आगे आने की जरूरत है छात्र-छात्राओं द्वारा टुसू नृत्य गीत कार्यक्रम की सराहना की। मौके पर प्राचार्य डॉ स्मृति नागी, भाजपा नेता संतलाल प्रमाणिक, धर्मेंद्र महतो, शत्रुघ्न महतो, प्रोफेसर कार्तिक दा, प्रोफेसर संजय महतो, प्रोफेसर रजत ठाकुर, प्रोफेसर मीनाक्षी सिंह, प्रोफेसर मंटू राम महतो, प्रोफेसर संतोष कुमार राम, प्रोफेसर संदीप तिवारी, स्वरूप दत्ता, अनूज कुमार महतो आदि मौजूद थे। इस दौरान छात्र छात्राओं व शिक्षकों ने दही चूड़ा व तिलकुट का आनंद उठाया।

पर्जन्य बीएड कॉलेज में ड्राइंग प्रतियोगिता

बलियापुर. पर्जन्य बीएड कालेज बलियापुर में सोमवार को भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति विषय पर ड्राइंग कंपीटिशन का आयोजन किया गया, जिसमें 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया. उसमें प्रथम आरती कुमारी, द्वितीय अंशुश्री, तृतीय निशी शामिल हुईं. प्राचार्या डॉक्टर स्मृति नागी ने अव्वल आए प्रतिभागियों को सम्मानित किया. मौके पर प्रो कार्तिक दा, प्रो संतोष कुमार राम, प्रो कविता मुर्मू, प्रो संदीप तिवारी, प्रो जलेश्वर महतो, प्रो संजय कुमार महतो, मंटू राम महतो आदि थे.

मिस पर्जन्य सलोनी व मिस्टर पर्जन्य ज्योतिष मान बने

बलियापुर. पर्जन्य बीएड कॉलेज बलियापुर में बुधवार को सत्र 2021-23 के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह आयोजन किया गया. इस दौरान मिस्टर पर्जन्या ज्योतिष मान चन्द्र व मिस पर्जन्या सलोनी गुप्ता चुने गये. ऑल राउंडर खुशबू कुमारी, जैम ऑफ़ द कॉलेज नम्रता कुमारी, शत प्रतिशत उपस्थिति में सुनीता कुमारी, स्पोर्ट्स पर्सन मेल अंशुमन पांडेय, स्पोर्ट्स पर्सन फीमेल श्वेता कुमारी, हेल्पिंग हैंड मेल विश्वजीत कर, हेल्पिंग हैंड फीमेल अदिति राज, बेस्ट डांसर रजनी कुमारी, बेस्ट सिंगर अमर कुमार निषाद को सम्मानित किया गया. इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की. प्राचार्या डॉ स्मृति नागी ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी. मौके पर शिक्षक कार्तिक दां, संदीप तिवारी, संतोष राम, मीनाक्षी सिंह, मंटू राम महतो, संजय महतो, रजत ठाकुर, उमेश महतो, स्वरूप दत्ता, गोउर महतो, जलेश्वर महतो के अलावा विधायक प्रतिनिधि कुमार महतो, शत्रुघ्न महतो आदि थे.

प्रभात खबर | धनबाद, बुधवार 01.05.2019 | 15

पर्जन्य बीएड कॉलेज में प्रभात खबर का वोट करें, देश गढ़ें अभियान

वोट करें देश गढ़ें — प्रभात मुहिम

COLLEGE ACTIVITES